

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में ‘महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम’ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का करेंगे शुभारंभ

उज्जैन साइंस सेंटर का होगा लोकार्पण

भारतीय ज्ञान परंपरा और मॉडर्न स्पेस टेक्नोलॉजी के समन्वय पर होगा वैश्विक मंथन

वैज्ञानिक, खगोलविद और शोधार्थी करेंगे संवाद

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 3 अप्रैल को उज्जैन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ‘महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम’ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का तारामंडल परिसर में शुभारंभ करेंगे। साथ ही उज्जैन साइंस सेंटर का लोकार्पण भी करेंगे। सम्मेलन 3 से 5 अप्रैल तक उज्जैन के समीप डोंगला डिजिटल प्लेनेटेरियम परिसर में



आयोजित किया गया है। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन और विचारक लेखक श्री सुरेश सोनी भी शामिल होंगे। बाबा महाकाल और सम्राट विक्रमादित्य की पावन नगरी उज्जैन प्राचीन काल से ही काल

गणना और खगोल विज्ञान के अनुसंधान की वैश्विक धुरी रही है। एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक और शोधकर्ता यहां बौद्धिक समागम के लिये एकत्रित हो रहे हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान के समन्वय पर केंद्रित यह सम्मेलन देश-विदेश के वैज्ञानिकों, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

जैसे अकल से पैदल नेता होते हैं वैसे अकल के अंधे उनकी पार्टी के प्रवक्ता होते हैं। अपने नेता की चमचागिरी में सारी हदें पार कर देते हैं। चढ़ जा बेटा सूली पर कहकर उन्हें चने के झाड़ में चढ़ा देते हैं। जहां से नेता औंधे मुंह धड़ाम से गिर जाते हैं। सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने एक रैली में दावा किया है कि अखिलेश यादव न सिर्फ यूपी के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं बल्कि वे देश के प्रधानमंत्री भी बनेंगे। गनीमत है कि उन्होंने ये नहीं कहा कि टीपू आगे चलकर ट्रंप की जगह अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने लॉन्च की नई वेबसाइट

नई दिल्ली/ए।। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने गुरुवार को नई वेबसाइट लॉन्च की। इस वेबसाइट को एआई असिस्टेंट ‘कर साथी’ के साथ लॉन्च किया गया है। इससे टैक्स भरना पहले के मुकाबले आसान हो जाएगा। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर की गई एक पोस्ट में कहा गया कि नई इनकम टैक्स वेबसाइट शुरू हो चुकी है। यह नेविगेट करने में आसान और उपयोग करने में तेज है। इसमें इनकम टैक्स से जुड़ी सारी जानकारी एक ही स्थान पर मौजूद है।

तेल अवीव/ वाशिंगटन/वार्ता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार सुबह राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को ईरान जंग में जीत मिली है। साथ ही चेतावनी दी कि अमेरिका 2-3 हफ्ते में ईरान पर बड़ा हमला करेगा। ट्रंप ने आगे कहा कि ईरान की मिसाइल-ड्रोन क्षमता और नौसेना खत्म हो गई है। सैन्य ताकत काफी कमजोर हो गई है। इस सैन्य अभियान का अहम मकसद पूरा होने वाला है। ट्रंप ने यह भी चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका, ईरान को स्टोन एज, यानी पाषाण काल में भेज देगा। हालांकि उन्होंने यह दावा भी किया कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है और नई ■ शेष पृष्ठ 6 पर

राष्ट्र के नाम संबोधन में बोले ट्रंप:-समझौता नहीं किया तो पाषाण युग में पहुंचा देंगे

ट्रंप बोले- ईरान पर जीत हासिल की, उनकी सेना हमारे कंट्रोल में



■ व्हाइट हाउस से 19 मिनट राष्ट्र को किया संबोधित



ईरान की राजधानी तेहरान में 100 साल पुराने मेडिकल रिसर्च सेंटर पर हमला हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, ‘पाश्चर इंस्टीट्यूट ऑफ ईरान’ को निशाना बनाया गया, जिससे इमारत को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

ट्रंप के संबोधन की 7 बड़ी बातें

■ ईरान की मिसाइल-ड्रोन क्षमता और नौवीं खत्म, सेना हमारे कंट्रोल में

■ उनके सभी बड़े नेता मारे गए, वहां सत्ता परिवर्तन हो चुका है

■ ईरान ने अपने 45 हजार लोगों की हत्या की

■ ईरान को परमाणु ताकत नहीं बनने देंगे

■ अगर समझौता नहीं हुआ तो उन्हें तबाह कर देंगे

■ जिन्हें होमूज से तेल चाहिए वे उसकी रक्षा करें, हमें उसकी जरूरत नहीं

■ सऊदी अरब और बहरीन को अकेला नहीं छोड़ेंगे

ईरान बोला-जंग, बातचीत और सीजफायर के चक्र में नहीं फंसेंगे

रूस बोला-ईरान युद्ध खत्म कराने को तैयार

ईरान युद्ध के बीच रूस ने कहा है कि वह इस संघर्ष को खत्म कराने में मदद के लिए तैयार है। क्रैमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेंसकोव ने बताया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन क्षेत्रीय नेताओं के संपर्क में हैं। पेंसकोव ने कहा कि रूस ऐसी किसी भी पहल में योगदान देने को तैयार है, जिससे मौजूदा सैन्य टकराव को जल्द शांति की दिशा में बदला जा सके। उन्होंने बताया कि रूस स्थिति पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर कूटनीतिक स्तर पर सक्रिय भूमिका निभा सकता है। रूस की इस पेशकश को क्षेत्र में शांति बहाल करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

ईरान बोला-अमेरिका हमारे एडवांस हथियारों को छू भी नहीं पाया

अमेरिका और इजराइल के हमलों के बीच ईरान ने दावा किया है कि उसके एडवांस हथियार अब भी सुरक्षित हैं और दुश्मन उन्हें छू भी नहीं पाया है। ईरान की खतम अल-अनबिया हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, वे राणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण नहीं थे। असली सैन्य उत्पादन और एडवांस हथियारों के केंद्र ऐसी जगहों पर हैं, जिनकी जानकारी दुश्मन को नहीं है। ईरान ने कहा कि उसकी सैन्य क्षमता अभी सामने नहीं आई है और वह जरूरत पड़ने पर अपनी असली ताकत दिखा सकता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने दावा किया है कि उसने ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर कर दिया है।

पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर सीमा शुल्क की छूट

■ एनजी संकट को देखते हुए केंद्र का बड़ा फैसला, इंपोर्ट ड्यूटी में छूट की घोषणा

नई दिल्ली (वार्ता)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक सप्लाई चेन में आई बाधाओं के बीच केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक पूरी कस्टम ड्यूटी छूट देने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

सप्लाई और लागत संतुलन पर फोकस: मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के तौर पर उठाया गया है, ताकि देश में



कई सेक्टरों को मिलेगा फायदा

सरकार के अनुसार, इस फैसले से प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टरों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी राहत मिल सकती है।

जरूरी पेट्रोकेमिकल कच्चे माल को उपलब्धता बनी रहे, डाउनस्ट्रीम उद्योगों पर लागत का दबाव कम हो और सप्लाई स्थिर रह सके। छूट वाले प्रमुख

पेट्रोकेमिकल उत्पादों में एनहाइड्रस अमोनिया, टोपयून, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमीथेन, विनाइल क्लोराइड मोनोमर, मेथनॉल, आइसोप्रोपिल ■ शेष पृष्ठ 6 पर

शराब-घोटाला: कवासी-चैतन्य समेत 59 लोगों के ईडी ने दर्ज किए बयान

■ 28 आबकारी अधिकारी भी शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में आज ईडी के स्पेशल कोर्ट में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, चैतन्य बघेल समेत 59 आरोपी कोर्ट में पेश हुए। इसमें 28 आबकारी अधिकारी भी शामिल हैं। सभी का धारा 88 के तहत बयान दर्ज किया गया है। इस मामले में अब कुल 82 आरोपी बनाए गए हैं। एडवोकेट फैजल रिजवी ने बताया कि कोर्ट के सामने पहले से ही अभियोग पत्र पेश है। ईडी ने फाइनल अभियोग

पत्र दाखिल किया है, जिसमें पहले 23 आरोपी थे, अब बढ़कर 59 कर दिए गए हैं। जांच के दौरान इन आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया था और बिना गिरफ्तारी के ही चार्जशीट पेश की गई है। अधिकतर आरोपियों ने सीआरपीसी के तहत आवेदन भी लगाया है।

तीन दिन पहले शराब निर्माता कंपनियों के खिलाफ हुई थी कार्रवाई: इससे तीन दिन पहले ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई करते हुए दो शराब निर्माता कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। उनके ट्रक जब्त किए गए, इनका अलावा, शराब ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पश्चिम बंगाल में 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर बंधक

■ सुप्रीम कोर्ट नाराज: कहा- हमें पता है उपद्रवी कौन

■ वोटर लिस्ट से नाम कटने पर लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन

कोलकाता/ए।। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल

जगगी हत्याकांड : 23 साल बाद बड़ा फैसला

अमित जोगी दोषी करार, तीन हप्ते में सरेंडर करें: हाई कोर्ट

रायपुर/बिलासपुर/नव-प्रदेश। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित एनसीपी नेता स्व. रामअवतार जगगी हत्याकांड में 23 साल बाद एक अहम और बड़ा फैसला आया है। छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने पूर्व के आदेश को पलटते हुए सीबीआई की अपील को स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही न्यायालय ने हत्याकांड के प्रमुख आरोपी अमित जोगी को तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का कड़ा आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस मामले की फाइल दोबारा खोलकर सुनवाई की जा रही है।

डिवीजन बेंच में हुई सुनवाई: चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की डिवीजन बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई। बेंच ने जगगी हत्याकांड के आरोपी अमित जोगी और याचिकाकर्ता सतीश जग्गी को नोटिस जारी कर अपने अधिवक्ता के साथ कोर्ट में उपस्थित होने का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एक नजर में जगगी हत्याकांड

- 4 जून 2003: एनसीपी कोषाध्यक्ष रामअवतार जग्गी की गोली मारकर हत्या।
- दोषी करार: अभय गोयल, याहया देबर, दीपे पांडे, फिरोज सिद्दीकी, सूर्यकांत तिवारी सहित कुल 28 लोग दोषी पाए गए।
- 31 मई 2007: निचली अदालत द्वारा प्रमुख आरोपी अमित जोगी को किया गया बरी।
- 2011: हाई कोर्ट द्वारा राज्य शासन, सीबीआई और सतीश जग्गी की याचिकाएं देरी के आधार पर खारिज।
- सुप्रीम कोर्ट का दखल: देरी को धमा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को गुण-दोष के आधार पर पुनर्विचार के निर्देश दिए।
- वर्तमान स्थिति: बिलासपुर हाई कोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार की, अमित जोगी को 3 सप्ताह में सरेंडर का आदेश।

एक्स पर अमित ने लिखा मेरे साथ अन्याय हुआ

आज माननीय उच्च न्यायालय कोर्ट ने मेरे विरुद्ध सीबीआई की अपील को मात्र 40 मिनट में स्वीकार कर लिया-बिना सुनवाई का अवसर दिए। मुझे खेद है कि, जिस व्यक्ति को अदालत ने दोषमुक्त किया था, उसे बिना सुनवाई का एक भी अवसर दिए दोषी करार दिया गया। यह अप्रत्याशित है। अदालत ने मुझे 3 सप्ताह के अंदर सरेंडर करने का समय दिया है। मुझे लगता है कि मेरे साथ गंभीर अन्याय हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि सर्वोच्च न्यायालय से मुझे न्याय अवश्य मिलेगा।

... और इधर सतीश बोले आखिरकार सत्य मेव जयते

जगगी हत्याकांड को लेकर गुरुवार 2 अप्रैल को हाईकोर्ट अमित जोगी सरेंडर करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने यह फैसला दिया है। हाईकोर्ट के इस आदेश पर स्व. रामअवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने कहा है कि, अंततः सत्य की जीत हुई है। श्री जग्गी ने कहा कि, आज हनुमान जयंती के दिन मुझपर उनकी विशेष कृपा हुई। मेरा और मेरे परिवार की 20 साल की तपस्या पूरी हुई है।

विक्रमोत्सव-2026 अंतर्गत वाराणसी में शुक्रवार से सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का होगा भव्य मंचन

3 भव्य मंच, 18 घोड़े, 2 रथ, 4 ऊँट, 1 पालकी और हाथी के जीवंत दृश्यों से होगा साकार

बाबा विश्वनाथ को मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे विक्रमादित्य वैदिक घड़ी अर्पित

भोपाल/नवप्रदेश। विक्रमोत्सव-2026 अंतर्गत उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन और न्यायप्रियता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए शुक्रवार 3 अप्रैल को वाराणसी में सम्राट

विक्रमादित्य महानाट्य का भव्य मंचन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के मुख्य आतिथ्य में तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का शुभारंभ होगा। महाश्वनाथ विक्रमादित्य शोधपीठ के माध्यम से वाराणसी के बी.एल.डब्ल्यू. मैदान में आयोजित होने वाले इस महानाट्य की परिकल्पना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की है।

गरमा-गरम

ना युद्धविराम.. ना एमिजिड प्लान..फिर ट्रंप कैसे ‘महान’?



श्री हनुमान लोक पांडुर्णा को प्रदेश के धार्मिक और आध्यात्मिक

मानचित्र पर भी प्रदान करेगा महत्वपूर्ण स्थान

पवन पुत्र हनुमान लोक मंगल, विनम्रता, सेवा भाव और समर्पण के हैं प्रतीक

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार तीर्थ, परंपराओं, लोक कलाओं और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन को राष्ट्र निर्माण का आधार मानते हुए सतत कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सांस्कृतिक चेतना का जो नव जागरण हुआ है, मध्यप्रदेश उसका साक्षी बन रहा है। मध्यप्रदेश धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के स्वर्णिम युग की ओर



अग्रसर है। राज्य सरकार सुशासन, जनकल्याण और समन्वय के माध्यम से प्रदेश में रामराज के सपने को साकार करने की दिशा में प्रयासरत है। इसी क्रम में प्रभु श्रीराम के प्राकट्य पर्व की मंगल बेला में पांडुर्णा के जामसांवली में रघुकुलनंदन के प्रिय

भक्त के दिव्यधाम श्री हनुमान लोक के पहले चरण का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विश्वास है कि अतुलित बल के स्वामी, परम ज्ञानी, दयालु, श्रीराम के प्रिय भक्त, पवन पुत्र हनुमान जी, लोक मंगल-कर्मठता-विनम्रता-सेवा भाव और समर्पण के प्रतीक हैं। व्यक्ति में सामर्थ्य होने पर वह अक्सर अहंकारी हो जाता है, लेकिन हनुमान जी ने सिखाया कि सच्चा बल वही है, जो सेवा में लगे और जो समर्पित भाव से कार्य करें। मन की एकाग्रता और अनुशासन, पवन पुत्र हनुमान के विशेष गुण हैं। वे कर्मकांड नहीं अपितु सतत प्रयासों से उद्देश्य प्राप्ति के लिए हमें प्रेरित करते हैं।

इन्हीं विचारों और मूल्यों को जामसांवली का श्री हनुमान लोक जीवंत करेगा। श्री हनुमान लोक के प्रथम चरण में मुख्य प्रवेश द्वार एवं प्लाजा का निर्माण हुआ है। मुख्य द्वार से लेकर मंदिर परिसर तक चिरंजीवी पथ का निर्माण किया गया है। इसमें हनुमान जी के विभिन्न स्वरूपों की मूर्तियां स्थापित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर जल्द ही 65 करोड़ 24 लाख रुपये की लागत से श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के निर्माण कार्य पूर्ण किए जाएंगे। दूसरे चरण में भक्ति सागर एवं प्रवचन हॉल, यज्ञशाला, पार्किंग, संस्कृत महाविद्यालय, भोजशाला ■ शेष पृष्ठ 6 पर

2 करोड़ 14 लाख का अफीम पोस्ट बरामद, 2 गिरफ्तार

■ 1432 किलो अफीम पोस्ट डोडा बरामद

बसना/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ और ओडिशा की सीमा पर पुलिस और एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स ने बड़ी सफलता हासिल की है। संयुक्त कार्रवाई में करोड़ों रुपये की अफीम पोस्ट डोडा की खेप पकड़ी गई है। पिकअप वाहन में ट्रक जैसी सुरक्षा बनाकर ले जाए जा रहे इस नशे को झारखंड से रायपुर खपाने की तैयारी थी, लेकिन रेहटीखोल चेकपोस्ट में पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने तलाशी के दौरान पिकअप वाहन से कुल 1432 किलो अफीम पोस्ट डोडा बरामद



किया है, जिसकी बाजार कीमत 2 करोड़ 14 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। तत्काल नशे को साधारण सामान की तरह छिपाकर ले जा रहे थे, जिससे यह साफ होता है कि यह एक संगठित और सक्रिय नेटवर्क का हिस्सा था। पुलिस ने जालन से हरियाणा के करनाल वाहन के रहने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

धर्म नगरी वाराणसी में महान शासक विक्रमादित्य के जीवन चरित्र मंचन तैयारी पूर्ण

वाराणसी के नागरिकों में आयोजन को लेकर अपार उत्साह

भोपाल/नवप्रदेश। वाराणसी में महानाट्य ‘सम्राट विक्रमादित्य’ का मंचन, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत 3 से 5 अप्रैल 2026 तक बी.एल.डब्ल्यू. मैदान में होने जा रहा है। यह ऐतिहासिक सांस्कृतिक साहित्यिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कीर्ति यज्ञ है। यह केवल एक नाटकीय प्रस्तुति नहीं, अपितु भारतीय

इतिहास की गौरवशाली परंपरा को पुनः सजीव करने का एक सशक्त प्रयास है, जिसमें शौर्य, न्याय, सुशासन और सांस्कृतिक वैभव की अमर गाथा मंच पर सजीव होती है। सम्राट विक्रमादित्य प्राचीन भारतीय परंपरा के महानायक हैं। उज्जैन के प्रतापी राजा, जिन्होंने शकों का संहार कर ‘शकारि’ की उपाधि धारण की और विक्रम संवत् की स्थापना की। लोक कथाओं, बेताल-पच्चीसी, सिंहासन-बत्तीसी तथा अनेक पुराणिक ग्रंथों में उनका चरित्र



न्यायप्रियता, वीरता, प्रजा-हितैषी और ज्ञान-विज्ञान के संरक्षण का प्रतीक

बनकर उभरा है। यह महानाट्य उसी चरित्र को मंच पर जीवंत करता है, जहाँ शताधिक कलाकारों के माध्यम से रथ, अश्व, पालकी तथा ऊँटों के वास्तविक प्रयोग के साथ अत्याधुनिक ग्राफिक्स और संगीत-नृत्य का समन्वय दर्शकों को प्राचीन कालखंड में ले जाता है। इस नाटक का साहित्यिक सांस्कृतिक महत्त्व बहुआयामी है। यह ऐतिहासिक स्मृति को पुनर्जीवित करता है। ऐसे युग का चित्रण, जब भारत ‘अखंड’ था, सुशासन का आदर्श स्थापित था और

ज्ञान-विज्ञान की परंपरा चरमोत्कर्ष पर थी। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य सांस्कृतिक एकता का संदेश देता है। काशी (वाराणसी) जैसी धर्म नगरी में मध्यप्रदेश के कलाकारों द्वारा इस गाथा का मंचन उत्तर और मध्य भारत की सांस्कृतिक सेतु का प्रतीक है। साहित्यिक भाषा में यह ‘महानाट्य’ शैली का उदाहरण है, जो न केवल मनोरंजन करता है, बल्कि नैतिक-आध्यात्मिक जागरण भी करता है। विक्रमादित्य का चरित्र आज के संदर्भ

में भी प्रासंगिक है। न्याय की स्थापना, प्रजा को आर्थिक सशक्तिकरण तथा शत्रुओं पर विजय के माध्यम से एक आदर्श राज्य-व्यवस्था का दर्शन। इसके अतिरिक्त, इस आयोजन के साथ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा ‘विक्रमादित्य वैदिक घड़ी’ का बाबा विश्वनाथ को अर्पण भारतीय समय-गणना की प्राचीन परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का सुंदर प्रतीक है।

न्यूज गैलरी

विभागीय समन्वय और समयबद्ध कार्ययोजना के साथ कार्य करें : आयुक्त भोंडवे

भोपाल/नवप्रदेश। बेतवा नदी के पावन जल को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाए रखने के पुनीत उद्देश्य से गुरुवार को पालिका भवन में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य ध्येय नदी के पारिस्थितिक तंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए राज्य और केंद्र सरकार के प्रयासों को सूत्रबद्ध करना था।

विभागीय समन्वय से सिद्ध होगा संकल्प नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा कि बेतवा का पुनर्जीवन केवल एक प्रशासनिक लक्ष्य नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नदी के संरक्षण के लिये एक समेकित कार्ययोजना तैयार की जाए, जिसमें जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका स्पष्ट और समन्वित हो। आयुक्त श्री भोंडवे ने इस बात पर विशेष बल दिया कि योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक सीमित न रहकर धरातल पर दिखाई देना चाहिए, जिसके लिए वे स्वयं समय-समय पर कार्यों की समीक्षा करेंगे।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन का सहयोग बैठक जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के सहयोग से आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के कार्यकारी निदेशक (परियोजना) श्री बृजेन्द्र स्वरूप विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने नदी संरक्षण के विविध तकनीकी आयामों और वैश्विक मानकों पर प्रकाश डालते हुए केंद्र की ओर से हर संभव तकनीकी और वित्तीय सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रदूषण मुक्ति और जल संवर्धन पर गहन विमर्श बेतवा नदी में मिल रहे अपशिष्टों को रोकने के लिए आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) की स्थापना, जल भराव क्षेत्रों का संरक्षण और तटवर्ती क्षेत्रों में वृक्षारोपण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चिंतन-मनन किया गया। आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नगरीय निकायों को और अधिक उत्तरदायी बनाया जाएगा। बैठक में जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन विभाग और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंधित नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों उपस्थित रहें।

संस्कृति एवं पर्यटन विभाग द्वारा लोकमाता देवी अहिल्या बाई पर बनी फिल्म को दिल्ली

फिल्म फेस्टिवल में मिला सम्मान

निर्देशक डिंपल दुगर को सिनेमा के माध्यम से इतिहास संरक्षण में योगदान के लिए किया गया सम्मानित लोकमाता अहिल्याबाई होलकर पर आधारित फिल्म उनके अद्वितीय जीवन, आदर्श शासन और जनकल्याणकारी कार्यों पर हैं केन्द्रित

भोपाल/नवप्रदेश। देश की राजधानी दिल्ली में मध्यप्रदेश संस्कृति और पर्यटन विभाग द्वारा देवी अहिल्या बाई की 300 वीं जयंती के अवसर पर निर्मित फिल्म लोकमाता देवी अहिल्या बाई को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली - 2026 के दौरान ‘सिनेमा के माध्यम से इतिहास संरक्षण में योगदान’ से सम्मानित किया गया। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) श्री तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री कपिल मिश्रा द्वारा ‘नाइट ऑफ ऑनर्स’ समारोह में फिल्म की निर्देशक डिंपल दुगर को सम्मानित किया। आईएफएफडी, दिल्ली सरकार (हज़ुब) की एक आधिकारिक सांस्कृतिक पहल है, जिसका आयोजन दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम द्वारा किया जाता है।

मध्यप्रदेश की संस्कृति और विरासत की वैश्विक पहचान का प्रतीक यह सम्मान : अपर मुख्य सचिव शुक्ला

भोपाल/नवप्रदेश। अपर मुख्य सचिव संस्कृति, गृह, जेल और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व श्री शिव शेखर शुक्ला ने इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली - 2026 में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर पर आधारित फिल्म को मिले सम्मान को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान मध्यप्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत की वैश्विक पहचान का प्रतीक है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर 7 मिनट की प्रभावशाली एनीमेशन फिल्म, उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप निर्मित की गई है। इसमें उनके सुशासन, धर्म संरक्षण, न्यायप्रियता और महिलाओं के पुनर्निर्माण की गौरवगाथा को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया है। जेवीडी एनीमेशन स्टूडियो की निदेशक एवं संस्थापक और फिल्म की निर्देशक डिंपल दुगर ने इस सम्मान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी सहित वरिष्ठ अधिकारियों का फिल्म निर्माण में मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के निर्माण में प्राप्त मार्गदर्शन, सहयोग और विश्वास ने इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह सम्मान न केवल पूरी टीम के प्रयासों का परिणाम है, बल्कि मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रेरणादायी इतिहास को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने का भी एक महत्वपूर्ण अवसर है। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर पर आधारित यह फिल्म उनके अद्वितीय जीवन, आदर्श शासन और जनकल्याणकारी कार्यों को केंद्र में रखती है। फिल्म में उनके न्यायप्रिय, संवेदनशील और दूरदर्शी शासन का सशक्त चित्रण

जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों पर करें सख्त कार्यवाही

संपूर्ण प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता : मुख्य सचिव जैन

मुख्य सचिव ने बैठक में कलेक्टरों को दिए निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। संपूर्ण प्रदेश में एलपीजी सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी तरह की कोई कमी नहीं है। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने पेट्रोलियम पदार्थों की सुगम उपलब्धता के लिए प्रदेश में किए जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टरों से कहा है कि वे प्रतिदिन मानीटरिंग करें और जमाखोरी के साथ कालाबाजारी की शिकायतों पर त्वरित तथा सख्त कार्यवाही करें। मुख्य सचिव श्री जैन ने गुरुवार को मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कलेक्टरों के साथ जिलों में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की समीक्षा की। बैठक में तय किया गया कि राज्य स्तर और जिला स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पर प्रतिदिन रिपोर्ट होगी। मुख्य सचिव श्री जैन ने पीएनजी लाइन वाले जिलों में अधिकाधिक घरेलू कनेक्शन देने के लिए संबंधित एजेंसियों को जिला प्रशासन से नियमित समन्वय करने के साथ ही कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे एजेंसियों को वर्क फोर्स उपलब्ध करावाएं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के बीच पीएनजी की विशेषताओं का प्रचार-प्रसार करें,



जिससे अगले 3 महीने की समय-सीमा में उन क्षेत्रों में अधिकतम घरों तक पाइप से गैस पहुंच सके। बैठक में विगत एक माह में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता और आपूर्ति की समीक्षा की गई। पेट्रोल पंप तथा गैस एजेंसियों पर अब लाइन आदि समाप्त होने के साथ पैकिन बुकिंग बंद होने पर संतोष व्यक्त किया गया। मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देश दिए कि वैकल्पिक ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव श्री जैन ने गैस की पर्याप्त उपलब्धता और निरंतर आपूर्ति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने घरों में पीएनजी कनेक्शन की समीक्षा की और निर्देश दिए कि पाइप लाइन की क्षमता अनुरूप घरेलू कनेक्शन करें। कनेक्शन जो बंद हो गए हैं, उन्हें भी पुनः प्रारंभ करें। उन्होंने इन एजेंसियों के लिए

विभागों से 24 घंटे में अनापत्ति प्रमाण-पत्र आदि जारी करने के साथ ही कालोनियों में कनेक्शन के लिए शिविर लगाने के निर्देश दिए।

जमा और मुनाफाखोरे के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के निर्देश

मुख्य सचिव श्री जैन ने प्रदेश में एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध की गई कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के लागू करने के साथ भारी अर्थदंड और एजेंसियों पर आवश्यक होने पर निलंबन की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि एजेंसियाँ कई बार मुनाफे के लिए अपने कर्मियों से भी कालाबाजारी करवाती है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में अब तक 3029 गैस

सिलेंडर जब्त किए गए हैं। 2759 छापे मारे गए हैं। दोषियों के विरुद्ध 11 एफआईआर भी दर्ज की गई हैं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है और ऑयल कंपनी के डिपो से निरंतर आपूर्ति जारी है। जिलों में गैस पाइप लाईन बिछाने के सभी आर.ओ.यू. आवेदनों को आवेदन प्रस्तुत करने के 24 कार्यकारी घंटों के अंदर डीमड सीजीडी अनुमति प्रदान करने के आदेश अनुसार कार्यवाही की जा रही है। राज्य शासन को अतिरिक्त 10त एलपीजी आवंटन प्राप्त हो चुका है। 27 मार्च 2026 को भारत सरकार द्वारा कॉर्पोरेट एलपीजी का अतिरिक्त 20त आवंटन उद्योग जैसे-स्टील, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, डाई, केमिकल्स, प्लास्टिक्स आदि के लिए किया गया है और उद्योगों को कॉर्पोरेट गैस सप्लाई उक्त

जीवन में अंधकार से मुक्ति दिलाती है शिक्षा : राज्यमंत्री पंवार

भोपाल/नवप्रदेश। मधुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने गुरुवार को राजगढ़ जिले के ब्यवारा में ‘प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2026’ का शुभारंभ किया। ‘स्कूल चलें हम’ अभियान के अंतर्गत शासकीय बालक हाई-स्कूल में आयोजित कार्यक्रम विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल और पाठ्य-पुस्तकें वितरित की गईं। राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि शिक्षा जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में बीते 2 वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता और मूलभूत सुविधाएं लगातार बेहतर हो रही हैं।

प्रयोगशालाओं के तकनीकी प्रशिक्षण से शिक्षकों की क्षमता में होगी वृद्धि : सचिव डॉ. गोयल

प्रयोगशालाओं को बेहतर बनाने विज्ञान संकाय शिक्षकों को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में दिया जा रहा प्रशिक्षण

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मंशा के अनुरूप विज्ञान संकाय की शिक्षा को समृद्ध किया जा रहा है। इसमें विभाग द्वारा विज्ञान विषय के शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं मैथमेटिक्स जैसे विषयों में शिक्षा की गुणवत्ता और मूलभूत सुविधाएं लगातार बेहतर हो रही हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के



आधारभूत सिद्धान्त के अनुसार विभाग द्वारा सभी हाई और हायर सेंकेंडरी विद्यालयों में समुचित अधोसंरचना विकास के साथ प्रयोगशालाओं तथा अन्य शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आवश्यकता है शिक्षक साथी इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण में यथोचित उपयोग सुनिश्चित करें, जिससे विद्यार्थी

रूचिपूर्वक अध्ययन कर सकें। यह बात स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. संजय गोयल ने शिक्षकों के प्रशिक्षण सत्र में कहा। मध्यप्रदेश लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (NITTTR) भोपाल के सहयोग से विगत 28 मार्च से भौतिकी, रसायन एवं गणित (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स)

विषयों के शिक्षकों को प्रयोगशालाओं के बेहतर उपयोग एवं प्रायोगिक शिक्षण को प्रभावी बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. संजय गोयल ने एक अप्रैल को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल पहुंचकर अवलोकन किया। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों से संवाद किया। यह पहला अवसर है जब प्रदेश में विज्ञान शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में इस प्रकार का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में कक्षा 9 से 12 तक के विज्ञान विषय से संबंधित सभी संकायों (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स) के शिक्षकों को विज्ञान प्रयोगशालाओं के व्यापक एवं सार्थक उपयोग का प्रशिक्षण

विषयों द्वारा दिया किया जा रहा है। प्रदेश के लगभग 17,000 शिक्षक, प्रयोगशालाओं के बेहतर उपयोग का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण का प्रथम चरण 2 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें कुल 416 मास्टर ट्रेनर तैयार किये जायेंगे। यह मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपने-अपने जिलों में प्रशिक्षण देंगे। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा विज्ञान प्रयोगशाला प्रशिक्षण के लिए सभी कक्षाओं के लिए अलग-अलग मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। इन मॉड्यूल्स में सप्ताह एवं संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए सामग्री-आधारित प्रयोगों को शामिल किया गया है, जो विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अवधारणाओं की गहन समझ प्रदान करते हैं। प्रत्येक प्रयोग में जीवनोपयोगिता, सिद्धांत, अभिगम उद्देश्य, कार्य विधि,

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समृद्ध भारतीय ज्ञान परम्परा पर स्वत्व के साथ गर्व करने की आवश्यकता : मंत्री परमार

भारतीय वैज्ञानिकों के संघर्ष और एआई जैसी चुनौतियों पर हुआ मंथन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में विज्ञान में राष्ट्रीय स्वतः पर हुआ व्याख्यान

भोपाल/नवप्रदेश। ब्रिटिश शासनकाल में भारत को कमतर आंकने का कुत्सित प्रयास किया गया और भारतीय समाज में विद्यमान परंपरागत ज्ञान में निहित वैज्ञानिक उपलब्धियों को छुपाया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने, भारत को स्वाभिमान के साथ विश्वमंच पर पुनः सशक्त होकर खड़े होने का महत्वपूर्ण अवसर दिया है। हमारा देश, अपने पूर्वजों के दर्शन ‘ज्ञानमेव शक्ति’ के आधार पर, विश्वमंच पर पुनः सिरमौर बनेगा, इसके भारतीय ज्ञान परम्परा में विद्यमान समृद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण को युगानुकूल परिप्रेक्ष्य में पुनः सामने लाने की आवश्यकता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर



सिंह परमार ने गुरुवार को, भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के ज्ञान-विज्ञान भवन में, प्रज्ञा प्रवाह एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ‘विज्ञान में राष्ट्रीय स्वत्व - भारतीय वैज्ञानिकों का संघर्ष’ विषयक एक दिवसीय व्याख्यान के शुभारम्भ

अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा में विद्यमान वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर स्वत्व के भाव की जागृति के आलोक में अपने विचार साझा किए। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में, उच्च शिक्षा में पाठ्यक्रमों में

भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश किया जा रहा है। हर क्षेत्र, हर विधा और हर विषय में, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समृद्ध परंपरागत भारतीय ज्ञान पर शिक्षाविद् भारतीय ज्ञान पर श्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वज प्रकृति के ऊर्जा स्रोतों का महत्व जानते थे, इसलिए उन्होंने कृतिज्ञता के साथ नदी, सूर्य और पेड़ों के प्रति संरक्षण भाव से पूजन की परंपरा की स्थापित की थी। भारत का दृष्टिकोण विश्व को परिवार मानता है, इसका सशक्त उदाहरण है जब भारत ने कोविड के संकटकाल में, विभिन्न देशों को वैक्सिन उपलब्ध करायी और वसुधैव कुटुम्बकम् के भारतीय दृष्टि को विश्वमंच पर गुंजायमान किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमें अपनी पुरातन ज्ञान परम्परा पर, स्वत्व के भाव के साथ गर्व करने की आवश्यकता है, इससे स्वतंत्रता के

शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को विश्वमंच पर हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने की संकल्पना सिद्ध हो सकेगी। व्याख्यान दौरान ‘नेशनल सेल्फहूड इन साइंस’ पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

मुख्य वक्ता श्री जे. नंदकुमार ने अपने व्याख्यान में कहा कि विज्ञान एक सार्वलौकिक विषय है। उन्होंने कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकों की उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय वैज्ञानिकों के महत्वपूर्ण योगदान का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार जैन ने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला।



